फार्म

.....2018.......... वर्ष के लिए अचल सम्पत्ति विवरण (as on 01.01.2019)

1. अधिकारी का नाम डॉ० अमित गुप्ता भा०र०ले०सें०

(पूरा नाम व सेवा जिससे अधिकारी संबंधित है।)

2. वर्तमान पद अपर नियंत्रक .... वर्तमान वेतन ....

उस जिले, उप–प्रभाग, तात्लुक और गाँव का नाम जहाँ सम्पत्ति स्थित है।	आवासीय भूमि और अन्य भवनों आदि की सम्पत्ति का नाम व पूरा ब्यौरा।	वर्तमान मूल्य	यदि अपने स्वयं के नाम में नहीं है तो बतायें कि किसके नाम से है तथा उससे सरकारी कर्मचारी का क्या सम्बन्ध है ?	सम्पत्ति कैसे अर्जित की ? क्या खरीदी गई, पट्टे पर ली गई, बंधक, उत्तराधिकार, उपहार अथवा किसी अन्य ढंग से ली गई। तारीख जिससे अधिकार में ली गई तथा उस व्यक्ति का नाम जिससे ली गई ।	सम्पत्ति से वार्षिक आय	अभ्युक्तियाँ
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
			शून्य			

हस्ताक्षर............................

पूरा नाम डॉ० अमित गुप्ता, भा०र०ले०सें०

पदनाम/ग्रेड अपर नियंत्रक

रो०/लेखा संख्या......................

कार्यालय का नाम रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (प), चंडीगढ़

दिनांक: 04.01.2019

(जो अंश लागू न हो काट दें।)

(2.) जिन मामलों में सम्पत्ति के मूल्य का निर्धारण सम्भव नहीं हो सकता है तो वर्तमान स्थितियों के हवाले से मूल्य बतायें।

टिप्पणी : वित्त मंत्रालय के 17.09.56 के का०ज्ञा०सं० (165)/ई–1/56 के अनुसार इस घोषणा पत्र को सेवा के प्रत्येक सदस्य द्वारा उसके द्वारा सारी अचल सम्पत्ती ब्यौरा चाहे अपने नाम में हो अथवा उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम से या किसी अन्य व्यक्ति के नाम से अर्जित अथवा उत्तराधिकार में प्राप्त अथवा उसके द्वारा पट्टे पर अथवा बन्धक ली गई अपनी प्रथम नियुक्ति के समय भर कर देना अनिवार्य है और उसके पश्चात हर वर्ष देना होगा।